कीर्तन में पधारो म्हारा श्याम धणी | By Krishna Dadhich

बाँध ल्यो थे साफा कस ल्यो थे घुड़लो
कस ल्यो जी श्याम थारे बागे की तणी
कीर्तन में पधारो म्हारा श्याम धणी
हो हो कीर्तन में पधारो म्हारा श्याम धणी

पीली पीली पाग कसूमल बागो
माथे ऊपर चमके थारे हीरे की कणी
कीर्तन में पधारो म्हारा श्याम धणी
हो हो कीर्तन में पधारो म्हारा श्याम धणी

लाडू जिमावा थाने पेड़ा जिमावा
ओ माखन मिश्री पड़ी रे घणी
कीर्तन में पधारो म्हारा श्याम धणी
हो हो कीर्तन में पधारो म्हारा श्याम धणी

पूजा ना जाना म्हे तो पाठ ना जाना
सेवा थारी म्हारे से तो कुछ ना बणी
कीर्तन में पधारो म्हारा श्याम धणी
हो हो कीर्तन में पधारो म्हारा श्याम धणी

गोपियाँ ने ल्याजो संग मनसुखा ने ल्याजो
देख लीला भीड़द बणी रे ठणी
कीर्तन में पधारो म्हारा श्याम धणी
हो हो कीर्तन में पधारो म्हारा श्याम धणी

सब भक्तां को श्याम सलोनो
हो बंसी ऊपर चमके थारे लाल मणि
कीर्तन में पधारो म्हारा श्याम धणी
हो हो कीर्तन में पधारो म्हारा श्याम धणी

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a5%80%e0%a4%b0%e0%a5%8d%e0%a4%a4%e0%a4%a8-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-%e0%a4%aa%e0%a4%a7%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%8b-%e0%a4%ae%e0%a5%8d%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a4%be-%e0%a4%b6/